निम्न पत्रक बॉयो रे में उपलब्ध है:

1. बीजामृत (बीज उपचार)
2. सी. पी. पी. + गौमुत्र (बीज उपचार)
3. निम्बोली का अर्क
4. जि. ओ. सी.
5. टॉप टेन
6. नीम तेल और हिंग
7. गौमुत्र
8. छाछ
9. कपास की प्राथमिक अवस्था में रक्षा
10. जीवामृत
11. स्प्रे केसै करें

The leaflets are available in English and Hindi

उपरोक्त पत्रक हिन्दी और इंगलिश मे उपलब्ध है।

इस पत्रक मे दि गई जानकारी बॉयो रे के अधिकारीयो के ज्ञान व बॉयो रे किसानों के अनुभव के आधार पर दि गई है। इसमें कुछ विधीयॉ जो दुसरे राज्यों के जैविक किसानों द्वारा अपनाई गई है उन्हे सम्मिलित किया है तथा कुछ विधीयों को पीटर प्राक्टर द्वारा प्रस्तावित बॉयोडायनामिक पद्वति से लिया गया है (जैसे सी.पी.पी.)।

bioRe® Research Station
5th km Milestone, Mandleshwar road
Kasrawad, Distr. Khargone
MP-451228 India
Tel.: +919926838549
Email: biore.lokendra@gmail.com

तारीख: फ़रवरी 2014

लेखक: लोकेन्द्र सिंह मण्डलोई
क्लाउडीया उट्स्
जुलियाना ज्वाईफैल्
राजीव वर्मा

FiBL

सलाह पत्रक

bioRe®

कैसे उपयोग करें

स्वयं द्वारा निर्मीत जैविक कीट नियंत्रण उत्पादों का प्रशवी उपयोग के लिए मार्गदर्शन

स्वयं द्वारा निर्मीत जैविक कीट नियंत्रण उत्पाद कैसे कार्य करते हैं।

स्वयं द्वारा निर्मीत जैविक कीट नियंत्रण उत्पाद जैसे जी.ओ.सी. नीम, हिंग और टॉप टेन यह कीटनाशक नही हे, क्योंकी दुसरे शब्दो मे यह उन्हें मारने से ज्यादा **उन्हें भगाने का कार्य** करते है। ये जी.ओ.सी. नीम, हिंग और टॉप टेन एक तीखी गंध और स्वाद के माध्यम से कीटों के लिए पौधों को **अरूचीकर बना** देता है जैसे हार्मोन और हार्मोनीक पदार्थ (गौमुत्र, नीम), कडवाहट (टापॅ टेन), झंझनाहट और जलन (जी.ओ.सी.)।

ध्यान रहे की झंझनाहट और जलन वाला जि.ओ.सी का गुण पौधौं पर रहने वाले सभी प्रकार के नरम त्वचा वालें कीटों को प्रभावीत करता है जिसमे हानीकारक व लाभदायक कीट भी शामील है अतः किसानो का पहला महत्वर्पुण कार्य है की **लाभदायक कीटों**(कीट व पक्षीयों) के लिए **अनुकुल परीस्थीतियों** को बढावा दें।

सहीं मात्रा

* प्रांकुर अवस्थाः	1 लिटर 80 मी2 के लिए	→	3 पम्प / एकड़
* प्राथमीक अवस्थाः	1 लिटर 66 मी2 के लिए	→	4 पम्प / एकड़
* फुल पुडी अवस्थाः	1 लिटर 33 मी2 के लिए	→	8 पम्प / एकड
* चुनाई अवस्थाः	1 लिटर 20 मी2 के लिए	→	13 पम्प / एकड

सहीं उपयोग

* हमेषा अन्य कीटनाषकों के अवषेषों को हटाने के लिए उपयोग करने से **पहले अपने स्प्रेय पम्प को अच्छे से साफ करे**। उपयोग करने के बाद स्प्रेय पम्प को अच्छे से खाली करे व पानी से खंगाललें।

* **ताजे बने उत्पादों** का उपयोग करे यह ज्यादा प्रभावी होते है।

* **सामान्य नियम हैः** पत्तियों का **अधीकतर हिस्सा गिला किया जाय**, तो **उत्पाद प्रभावी रूप** से अपने गुण को फैला सकता है। इस लिए पुरी पत्ती क्षैत्र पर, उपर से नीचे और चारो तरफ स्प्रे करतें है।

* स्प्रेय पत्तियो के **निचले हिस्से पर करने का प्रयास करे** क्योकि यहा कीट छीपे रहते है

* **स्वयं के लिए सावधानीः** मुख्य रूप से जब जि.ओ.सी व निम का स्प्रे करें तब स्प्रे के दौरान लम्बी अस्तीन का कमीज पहने, पेंट पहने व मुहॅ को भी ढकें खासकर नाक व ऑखें,।

सहीं समय

* कीट अधीकतर **सुबह व शाम** के समय सकीय रहते है। अतः उनमें से ज्यादातर कीटों को ''पकडने'' के लिए, आपको इन घंटों के दौरान स्प्रे करना चाहिए।

* कुछ उत्पाद सूर्य प्रकाष के साथ प्रतिक्रिया कर सकते है जिस कारण पोधौं की पत्तीयां जल सकती है। इसलिए **तेज धूप या दिन मे दौपहर के दौरान स्प्रे न करें**।

* बारीष के मौसम में स्प्रें करने के लिए समय खोजना मुषकिल होता है।उत्पाद को **पत्तियों पर सुखने** और अगली वर्षा से पहले अपना प्रभाव दिखाने के लिए कम से कम **2 घंटे का समय** दिया जाना चाहिए।

* यदी आप देखते है की फसल पर हानीकारक कीटों की एक या एक से अधीक प्रजातीयों की आबादी बढ रही है तो तुरंत निरीक्षण करे, व इसमें विषेष रूप से उनके अण्ड़े व शीषु अवस्था या जिवन चक पर ध्यान दें **जिससे की वह बढे होकर संख्या न बढाऐं।**